CHETANA
International Journal of Education
Peer Reviewed/Refereed Journal
(ISSN: 2455-8729 (E) / 2231-3613 (P))

Impact Factor
SJIF 2022 = 6.261

Prof. A.P. Sharma
Founder Editor, CIJE
(25.12.1932 - 09.01.2019)

आलेख

Received on 12.04.2022
Reviewed on 15.04 2022
Accepted on 18.04.2022

ऑनलाइन शिक्षण में मूल्यांकन एक चुनौती

* *डॉ॰ चित्रा जितेन्द्र सिंह*

मुख्य शब्द - *ऑनलाइन शिक्षण, मूल्यांकन, चुनौती आदि.*

लेख-सार

कोरोना महामारी के समय से परिवर्तन की संभावनाएं भी हर क्षेत्र में निरंतर बढ़ रही है। आभासी माध्यम से प्रत्यक्ष होने का अनुभव और कार्य को पूर्ण करने की दिशा में ऑनलाइन शिक्षण ने सभी को सकारात्मक सोचने की दिशा में प्रेरित किया है। ऑनलाइन शिक्षा के प्रारम्भ होने के साथ मूल्यांकन प्रणाली में भी बदलाव होना स्वाभाविक था। वर्तमान ऑनलाइन प्रणाली में कई चुनौतियों के साथ संशोधित करते हुए सरल, सम्पूर्ण, प्रभावी एवं सुरक्षित रखने की दिशा में कार्य होना अति-अवशयक है। प्रस्तुत शोध के माध्यम से आभासी माध्यम के अंतर्गत ऑनलाइन शिक्षण और मूल्यांकन से संबन्धित प्रमुख बिन्दुओं पर ध्यान केन्द्रित करने का प्रयास किया गया है।

प्रस्तावना

वर्तमान समय के अनुरूप समाज जीवन और सभी संबन्धित क्षेत्रों में परिवर्तन के साथ तकनीकी समन्वय के साथ आधुनिकीकरण का युग प्रारम्भ हो गया है । परिवर्तन समय की अवशयकता भी है और कई बार यह समस्या या परिस्थिति के अंतर्गत सुविधा का विकल्प देने हेतु किया गया एक प्रयास होता है जो बाद में सर्वस्वीकृत होता है । वैश्विक परिपेक्ष्य में पिछले 2 से 3 वर्ष अनेक समस्याओं और कठिनाइयों वाला रहा । कोविड महामारी के समय में सम्पूर्ण मानव एवं सृष्टि ने मानव सभ्यता एवं अस्तित्व के प्रति प्रशनार्थ चिन्ह लगा दिया था । लेकिन समस्या संभावनाओं को जन्म देती है और अवसर भी प्रदान करती है । कोविड महामारी के समय में मानव समाज को सभी क्षेत्रो से प्रभावित होना पड़ा था । हर क्षेत्रो ने अपनी क्षमता एवं संभावनाओ के आधार पर जोखिम उठते हुए तकनीकी का ज्यादा से ज्यादा प्रयोग करते हुए अपने कार्यो में टीके रहने एवं आर्थिक उपार्जन में बढ़ोतरी के पूर्ण प्रयास भी किए । शिक्षा का क्षेत्र भी इन सबसे अछूता नहीं रहा । अपने विभिन्न प्रयासो से पूर्ण क्षमता का प्रयोग करते हुए इंटरनेट और तकनीकी कार्य-प्रणाली को अपनाते हुए आज बदलते परिपेक्ष्य में नयी पीढ़ी को समय के साथ आगे बढ़ने के समान अवसर प्रदान करने में सकारात्मक परिणाम भी प्राप्त हुए है । वर्तमान समय में धीरे धीरे कोरोना के प्रति हमारी लड़ाई में हमने मजबूती के साथ धैर्य एवं बुद्धि के साथ मिलकर किए प्रयासो से कम से कम क्षति के साथ हम देशवासी पुनः अपने दायित्वों का निर्वहन समान्य तौर पर करना शुरू कर दिया है । समान्य होती परिस्थिति में भी हमने कोविड काल में हुए अनुभव एवं सुविधाओं को ध्यान मे रखते हुए किए प्रयोगों को अब हमने अपने क्षेत्रों में स्थाई तौर पर प्रयोग करने का मन बना लिया है । वर्तमान समय में शिक्षा प्रणाली में आए परिवर्तनों की सर्वस्वीकृति से आज आभासी माध्यम से शिक्षण के आदान-प्रदान की प्रक्रिया में कायाकल्प हुआ है । विद्यार्थी, शिक्षक और अभिभावक भी इस नई ऑनलाइन शिक्षण प्रणाली को स्वीकार कर चुके है और आगे इससे अपने जीवन में लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में सकारात्मक परिणाम भी प्राप्त कर सकेंगे।

कोविड काल और शिक्षण प्रक्रिया

कोविड काल से शिक्षा के क्षेत्र में आए परिवर्तन और ऑनलाइन शिक्षण के प्रति सकारात्मक सोच के परिणाम स्वरूप शिक्षा बाधित नहीं हुई। वर्तमान समय में सामान्य स्थिति में भी अब ऑनलाइन शिक्षा में मिश्रित अभिगम के साथ विकल्प देने का गंभीरता से प्रयास किया जा रहा है। अभिभावक भी स्वीकृति प्रदान करते हुए विध्यार्थियों के पास भी अवसर है की वह अपने रुचि के अनुसार चयन कर सके की वह किस प्रणाली से अध्ययन करना चाहता है। आज के स्पर्धात्मक युग में जहा ज्ञान के साथ व्यावहारिक ज्ञान की भी आवशयकता रहती है ऐसे समय में सीमित न रहते हुए देश और विदेश से ऑनलाइन माध्यम से जुड़कर अपने ज्ञान को वैश्विक स्तर तक ले जाने के अवसर भी प्रादान हो रहे है। अभिभावकों के व्यापक द्रष्टिकोण को भी समझते हुए वर्तमान ऑनलाइन शिक्षण जहां सकारात्मक सोच के साथ सकारात्मक परिणाम दे रहा है वही कुछ नकारात्मक परिणाम भी पुनः सोचने पर मजबूर कर रहे है। अभिभावकों के पक्ष को केन्द्र में रखकर सोचने पर ज्ञात होता है की विद्यार्थियो के मानसिक विकास के साथ शारीरिक विकास इतना नहीं हो पाता अपितु कई शारीरिक समस्याओं से कम उम्र में विद्यार्थियो को झुझना पड़ता है। ऑनलाइन शिक्षण में ज़्यादातर उपकरण (मोबाइल, कम्प्युटर इत्यादि) से काम करने के कारण द्रष्टि से संबन्धित समस्या और मांस-पेशियों से संबन्धित समस्या का सामना करना पड रहा है। आभासी माध्यम में कार्य करने से विध्यार्थियों में सामाजिक जीवन एवं लोगो के प्रति संवेगात्मक पक्ष प्रभावित हो रहा है। ऑनलाइन शिक्षण के साथ ऑनलाइन खेलो में विध्यार्थियों की रुचि को प्रोत्साहन मिलने से भविष्य में समस्या उत्पन्न होने की संभावनाएं बढ़ जाती है। शिक्षक जो ज्ञान के आदान-प्रदान में परिस्थिति के अनुरूप विद्यार्थियो की क्षमता के अनुरूप विभिन्न पद्धतियों के प्रयोग से ज्ञान की पूर्ति करता है वही शिक्षक पक्ष की तरफ से ऑनलाइन शिक्षण प्रणाली के अंतर्गत मूल्यांकन को लेके प्रश्न उतप्न्न होना स्वाभाविक है। प्रत्यक्ष विद्यार्थियो का मूल्यांकन विभिन्न कार्य एवं परीक्षा के माध्यम से निरंतर होता रेहता है। किन्तु आभासी माध्यम प्रत्यक्ष होते हुए भी अप्रत्यक्ष विध्यार्थियों के मूल्यांकन से संबन्धित कार्य से संतुष्टि नहीं प्राप्त हो रही। ऑनलाइन शिक्षण में मूल्यांकन वास्तव में चुनौतियों से कम नहीं है। मूल्यांकन के जो प्रमुख उद्देश्य है उनको ध्यान में रख कर ऑनलाइन शिक्षण में मूल्यांकन करना बहुत कठिन है एवं पारदर्शी परिणाम नहीं दे पता।

मूल्यांकन के उद्देश्य

मूल्यांकन यह निश्चित करता है की शिक्षार्थी किस सीमा तक उद्देश्य की प्राप्ति में समर्थ रहा" मूल्यांकन के प्रमुख उद्देश्य के अंतर्गत ज्ञान की जांच एवं विकास की जानकारी, अधिगम प्रेरणा, व्यक्तिगत भिन्नताओं की जानकारी प्राप्त करना, निदान, शिक्षण की प्रभावशीलता ज्ञात करना, पाठ्यक्रम सुधार, चयन, शिक्षण सहायक सामाग्री कि उपयोगिता कि जानकारी प्राप्त करना, वर्गिकरण, निर्देशन, मानको का निर्धारण आदि पक्षो पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष स्पष्ट जानकारी ज्ञात करना है। अर्थात आभासी माध्यम से ऑनलाइन मूल्यांकन के अंतर्गत तकनीकी कौशलयों से युक्त विद्यार्थी जायादा सहाज महसूस कर सकते है और जिसने ऑनलाइन परीक्षा का अभ्यास किया है उनके प्राप्तांकों में सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। अध्यापक अर्थात शिक्षक पक्ष कि तरफ से मुख्य चिंता का विषय यही है कि ऑनलाइन शिक्षण प्रक्रिया में विध्यार्थी का उन पक्षो का मूल्यांकन संभव नहीं हो पता जो प्रत्यक्ष परीक्षा कक्ष में हो पता है। ऑनलाइन मूल्यांकन के लिए ऑनलाइन परीक्षाओं के अंतर्गत लेखन शैली, विचार क्षमता, वैचारिक द्वंद कि स्थिति में समय के साथ स्पष्ट चयन एवं निर्णय क्षमता, शब्दो के चयन के साथ विषय वस्तु के मुख्य पक्ष को उजागर करते हुए प्राप्तांकों के साथ आगे बढ़ने का वैचारिक द्रष्टिकोण विकसित करना और वस्तुलक्षी प्रश्नो के माध्यम से प्रभावित प्रस्तुतीकरण का समन्वय यह सभी बिन्दुओ पर ऑनलाइन मूल्यांकन में शिक्षक पक्ष को संतुष्टि नहीं प्राप्त होती। साथ ही ऑनलाइन मूल्यांक के अंतर्गत मानक का निर्धारण करते हुए प्रश्न और गुण तक विद्यार्थी सीमित रेहता है। प्राप्तांकों में अग्रेसर होते हुए भी मूल्यांकन के बृहद पक्ष के साथ न्याय नहीं कर पाने कि वजह से विद्यार्थी अपने ज्ञान का प्रस्तुतीकरण पूर्ण क्षमता से नहीं कर पता। शिक्षकों के लिए यह चुनौतियाँ है कि मूल्यांकन के लिए निर्धारित उद्देश्यों के सभी पक्षो को ध्यान में रखते हुए ऑनलाइन मूल्यांकन करना संभव भी नहीं है और अत्यधिक कठिनाई का सामना करना पड़ता है।

मूल्यांकन का महत्व

ज्ञान कि प्रक्रिया में मूल्यांकन का महत्व अत्यधिक रेहता है। मूल्यांकन शब्द के अंतर्गत *"मूल्य का अंकन* मूल्यांकन मूल्य निर्धारण कि वह प्रक्रिया है जिसका संबंध विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों, प्रशासको के साथ समाज के साथ प्रस्थापित होने के लिए होता है। मूल्यांकन के द्वारा शैक्षिक प्रगति के साथ प्रेरणा, आत्मसंतोष, आत्मविश्वास, हौसला, स्वयं की क्षमता और कमजोर पक्ष को समझने का मौका देता है। हमारे परिश्रम के स्तर कि जानकारी एवं तैयारी के लिए योजनाओं की पद्धति एवं अवशयक बदलाव के लिए हमे स्व-चिंतन का

मौका देती है। अध्यापक एवं शिक्षको के लिए अपने प्रस्तुतीकरण का एवं पद्धति में अवशयक बदलाव के लिए भी प्रेरित करती है। मूल्यांकन शिक्षक को समय समय पर आवश्यक बदलाव एवं परिवर्तन का निर्देशक भी है। मूल्यांकन के माध्यम से ही पाठ्यक्रम, शिक्षण विधियाँ, पाठ योजना, शिक्षण सामाग्री इत्यादि कि प्रभावशीलता का समय समय पर संशोधन करने का अवकाश मिलता है। विद्यार्थियों में रुचियाँ, योग्यताओं, क्षमताओ, व्यक्तित्व, अनुकूलन, कमजोरी, सामर्थ्य आदि के साथ मूल्यो कि जानकारी एवं मार्गदर्शन का स्तर पता लगता है। सुधार, गुणवत्ता से संबन्धित जानकारी के साथ योग्य निर्णय लेने कि क्षमता और आर्थिक, सामाजिक, राजकीय, धार्मिक एवं संवेगिक पक्ष के साथ पूर्ण मानवी बनने कि दिशा में मूल्यांकन बहोत सर्वस्वीकृत प्रक्रिया है।

ऑनलाइन शिक्षण में मूल्यांकन की चुनौतियाँ

वर्तमान आभासी माध्यम से तकनीकी के समन्वय से ऑनलाइन शिक्षण के अंतर्गत मूल्यांकन में सबसे अधिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे बड़ी चुनौतियों में ऑनलाइन परीक्षा में वास्तविक परीक्षा के वातावरण का निर्माण नहीं हो पता। आभासी माध्यम में हमेशा शंका के वातावरण में शिक्षक और विद्यार्थियों का एकदूसरे से परीक्षा प्रणाली का संकलन नहीं कर पाते। मात्रात्मक अर्थात सिर्फ प्राप्तांकों तक ही विद्यार्थियो के मन मे धारणा बन जाती है परीक्षा की। तकनीकी दोष और त्रुटि का हमेशा खतरा मानसिक स्तर पर रेहता है जिसका परिणाम पर स्पष्ट प्रभाव देख सकते है। ऑनलाइन शिक्षण में वह सभी शिक्षण के पहलुओं को समाविष करके विश्लेषण करना कठिन कार्य है। मूल्य संबन्धित विश्लेषण करना और भविष्य के लिए विस्तृत करने के लिए हमेशा द्वंद भरी स्थिति बनी रहती है। इंटरनेट और नेटवर्क का प्रश्न भी प्रभवित करता है ऑनलाइन मूल्यांकन प्रणाली को। सुरक्षा से संबन्धित जितना भरोसेमंद है उतना ही संवेदनशील भी है क्यू की कभी भी कुछ गलत विचारो के साथ तथ्यो एवं परिणामो के साथ छेड़-खानी संभव हो सकती है। ऑनलाइन मूल्यांकन में तकनीकी प्रयोग के साथ तकनीकी चोरी और अन्य माध्यमों से विद्यार्थियो के बीच का भेद स्पष्ट करने में गलती की समभावनाए बढ़ जाती है। ऑनलाइन परीक्षा के अंतर्गत मानसिक गहन चिंता का अवसर नहीं मिल पता क्यू की अधिकतर ऑनलाइन परीक्षा में बहुविकल्प प्रश्नो को समाविष्ट किया जाता है। बहुविकल्प प्रश्न गहन चिंतन के प्रति प्रेरित नहीं करते अपितु त्वरित वैकल्पिक उत्तर की सुविधा गहन चिंतन से दूर ले जाती है। कौशलयों के साथ विध्यार्थियों के सभी ज्ञान से संबनधित पक्षो को ऑनलाइन परीक्षा प्रणाली से जानना, मूल्यांकन करना और विस्तारित करना एक शिक्षक के लिए हमेशा चुनौती रहेगी। साथ ही परीक्षा संबन्धित कुछ ज्ञान की परख के लिए बहुवियक्ल्प प्रश्न या प्रयोगिक कार्यो का होना अति-आवश्यक रेहता है। ऑनलाइन परीक्षा में पाठ्यक्रम के सभी विषयवस्तु के पहलुओं को मात्र बहुविकल्प प्रश्नो से पूछ कर परखना तर्कसंगत या न्यायसंगत नहीं लगता । बहुविकल्प को लेके निसंदेह ही ऑनलाइन माध्यमों से परीक्षा को लेके बहुत परिवर्तन होने के पूर्ण अवकाश है और इस दिशा में निरंतर शैक्षिक विद्वान प्रयासरत है ही।

भविष्य की योजनाएँ

वर्तमान परिपेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए आज के समय की कठिनाइयो को दूर करते हुए भविष्य में ऑनलाइन मध्यम से परीक्षा आयोजन का प्रारूप और विचार बदलने कि समभवनाएं अधिक है। आज की आभासी माध्यम में ऑनलाइन परीक्षाएँ कोलेके सभी पूर्ण संतुष्ट नहीं है। नेटवर्क समस्या, इंटरनेट की उपलब्धता, गति एवं भाषा के साथ तकनीकी कौशलयों का सभी शैक्षिक स्तर पर पूर्व अभ्यास इतना नहीं हो पाया है। समय के साथ ऑनलाइन शिक्षण और मूल्यांकन के अंतर्गत नई प्रोध्योगिकी के समावेश से कम समय मे सभी क्षेत्रो का समावेश करते हुए मूल्यांकन के उद्देश्यों की पूर्ति कर सके एसी योजनाओं की रूपरेखा पर कार्या प्रारम्भ हो गया है। प्रस्तुत विषय के परिपेक्ष्य में कई वैबसाइट नए एप्लिकेशन के साथ नए विकल्प भी उपलब्ध करवाने के प्रयास में लग गई है। भविष्य में विषयवस्तु कि सुरक्षा के साथ प्राप्तांकों की सटीक मूल्यांकन प्रणाली कम समय में उपलब्ध करने कि दिशा में कार्य हो सकता है। इंटरनेट कि गति, विषयवस्तु में प्लेगेरिसम जैसे सॉफ्टवेर कि सहाता से कम से कम नकल और साथ ही 360 डिग्री मूल्यांकन हो सके ताकि विद्यार्थी समाज में सही मानको के साथ बेहतर कार्य कर सके इसका ध्यान रक्खा जाएगा। भविष्य में आर्टिफ़िश्यल इंटेलिजेंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) का प्रयोग करके मूल्यांकन प्रणाली को ज्यादा से ज्यादा विकसित करने का प्रयास रहेगों और सभी विषयो के सभी उद्देश्यों कि पूर्ति कर सके इसका ध्यान रक्खा जाएगा। तकनीकी विकास से साथ प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों तरह से मूल्यांकन के विकल्प उपलब्ध करवाने से अभिवहवाक पक्ष, विद्यार्थी पक्ष और साथ शिक्षक के सभी प्रश्न एवं समस्याओं को सुलझाने का प्रयास किया जाएगा।

सारांश

इंटरनेट के माध्यम से बढ़ते तकनीकी का मनुष्य जीवन के हर पक्ष को प्रभावित किया है। जीवन के हर कार्यो को सरलता से सटीक मनको के साथ योगी समय पर करवाने के प्रयासे में नए तरीके एवं प्रयास होते रहते है। ऑनलाइन शिक्षण में होते नए परिवर्तन और

बदलाव से आज शिक्षण कि प्रक्रिया आसान, प्रभावी एवं सभी वर्ग के साथ साथ देश और विदेश के हर कोने तक पाहुचने में सक्षम हो चुकी है। ऑनलाइन शिक्षण में मूल्यांकन के संदर्भ में यह लागू हो रहा है। वर्तमान और भविष्य को परीक्षा प्रणाली में बदलाव स्वाभाविक है और यह बदलाव समय कि अवशयकता के अनुरूप रहेगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के ज्यादा प्रयोग से मूलयंकन प्रणाली बेहद भरोसेमंद हो पाएगी । प्रस्तुत लेख के माध्यम से वर्तमान मूल्यांकन कि चुनौतियों को परिलक्षित करते हुए महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर प्रकाश डालने का प्रयास किया गया है।

संदर्भ

1 Retrieved from, https://sagaracademi.blogspot.com/2020/05/online-mulyankan-vyavastha-ke-upayog.html

2 Retrieved from, https://sagaracademi.blogspot.com/2020/05/blog-post.html

3 Retrieved from, https://www.jagran.com/uttar-pradesh/meerut-city-online-learning-evaluation-after-every-taught-topic-20211979.html

Corresponding Author

*** Dr Chitra Jitendra Singh**

Assistant Professor

Chaudhari M.Ed. College, Gandhinagar

(Mobile: 6396591577, Email: drchitrapalsingh@yahoo.com)